रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण

MADHU KALASH

रचना के आाधार पर वाक्य रूपांतरण सीखने से पहले हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि -

1. वाक्य किसे कहते हैं ?

2. वाक्य के अंग कितने और कौन -कौन से हैं ?

3. वाक्यांश क्या है ?

4. उपवाक्य किसे कहते हैं?

5. प्रधान उपवाक्य और आश्रित उपवाक्य की पहचान

6. समुच्चयबोधक किसे कहते है?

7. समानाधिकरण समुच्चयबोधक किसे कहते हैं?

8. व्याधिकरण समुच्चयबोधक किसे कहते हैं?

वाक्य

दो या दो से अधिक पदों के ऐसे पारस्परिक मेल को वाक्य कहते हैं , जिससे पूर्ण अर्थ का बोध हो।

वह पद समूह जिससे श्रोता को वक्ता के अभिप्राय का बोध हो, वाक्य कहलाता है।

उदाहरण - गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे।

अहिंसा गांधी के जी पुजारी थे।

वाक्य के दो अंग हैं -

1. उद्देश्य

2. विधेय

जिसके बारे में बात की जाए उसे उद्देश्य कहते हैं।

जो बात की जाए उसे विधेय कहते हैं।

उदाहरण -

ताजमहल आगरा में है।

इस वाक्य में ताजमहल -उद्देश्य है और आगरा में है -विधेय है।

उपवाक्य

उपवाक्य वाक्य के वे अंश हैं जिनका अपना उद्देश्य और विधेय होता है।

आश्रित उपवाक्य

आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य पर आश्रित होते हैं । ये वाक्य क्योंकि, कि, यदि, जो, आदि से आरंभ होते हैं।

रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं -

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्र वाक्य

1. सरल वाक्य

1.सरल वाक्य को साधारण वाक्य भी कहते हैं।

2.सरल वाक्य में विधेय एक ही होता है।

3.मुख्य क्रिया भी एक ही होती हैं।

4.सरल वाक्य में कर्ता एक से अधिक हो सकते हैं।

5.सरल वाक्य छोटे भी हो सकते हैं और लंबे भी ,हमें इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि सरल वाक्य हमेशा छोटे ही होंगे हमें सिर्फ इस बात का ध्यान रखना है कि सरल वाक्य में मुख्य क्रिया केवल एक ही होगी।

उदाहरण -

1. राधा गाती हैं ।

यहाँ राधा उद्देश्य अर्थात् कर्ता है और गाती है - वाक्य का यह अंश राधा के बारे में बता रहा है, गाती है विधेय अर्थात् क्रिया है और क्रिया एक ही है अत:यह सरल वाक्य है।

2. नील और शौर्य पढ़ रहे हैं।

इस वाक्य में कर्ता दो हैं लेकिन क्रिया एक ही संपन्न हो रही है इसलिए यह भी सरल वाक्य है।

3. रजत बीमार होने के कारण बाजार नही गया।

वाक्य लंबा है लेकिन इसमें भी क्रिया एक ही है और वही मुख्य क्रिया है इसलिए यह भी सरल वाक्य ही है।

4. पिताजी ने रोते हुए बच्चे को चुप करवाकर उससे रोने का कारण पूछा।

वाक्य लंबा है लेकिन इसमें भी क्रिया एक ही है पूछा मुख्य क्रिया है इसलिए यह भी सरल वाक्य ही है।

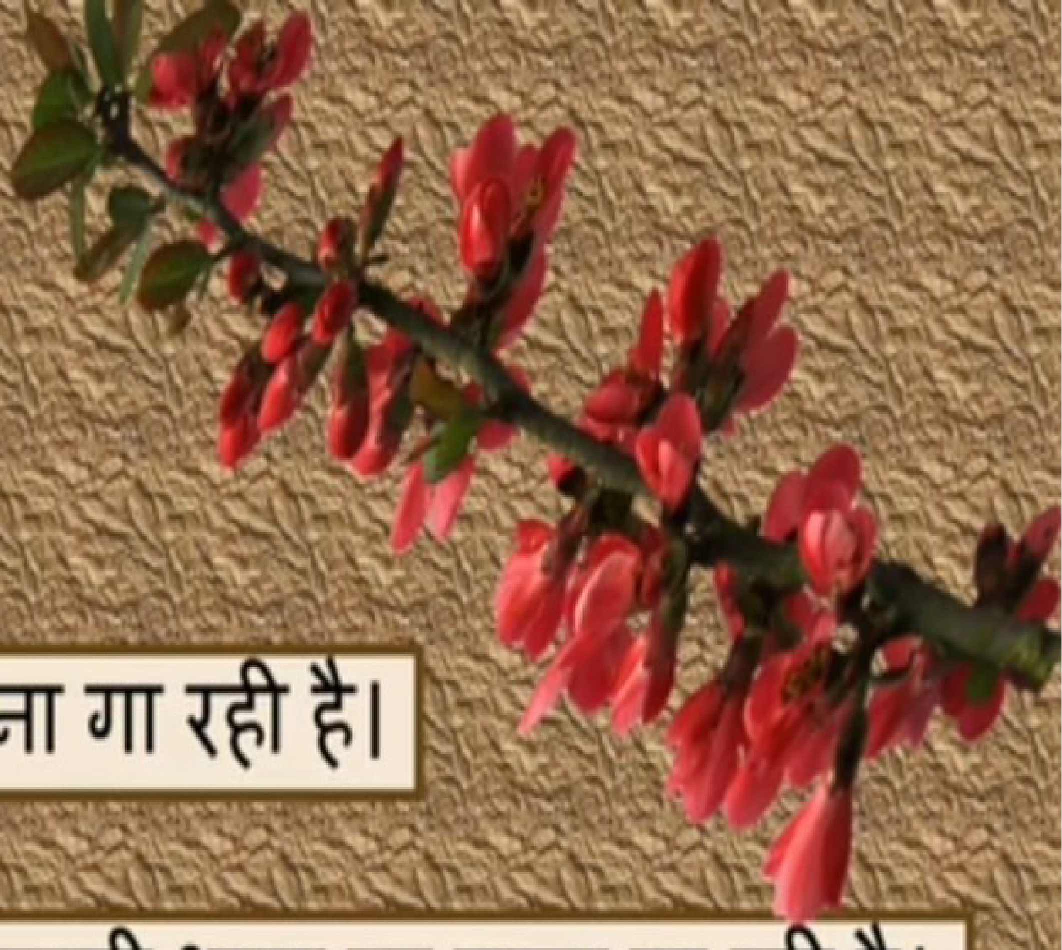

1. इशिता ने गाना गाया।

2. इशिता गाना गा रही है।

3. पड़ोस में रहने वाली इशिता गाना गा रही है।

4. पड़ोस में रहने वाली इशिता गुजराती भाषा का गाना गा रही है।

5. पड़ोस में रहने वाली सान्या की बहन इशिता गुजराती भाषा का गाना गा रही है।

2.संयुक्त वाक्य

समुच्चयबोधक

जो अव्यय अर्थात् अविकारी शब्द दो शब्दों, दो वाक्यांशों अथवा दो वाक्यों को जोड़ने का कार्य करते हैं।, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं क्योंकि समुच्चयबोधक शब्दों, वाक्यांशों और वाक्यों को जोड़ने का काम करते हैं इसलिए इन्हें योजक शब्द भी कहते हैं।

समुच्चयबोधक के दो भेद हैं -

1. समानाधिकरण समुच्चयबोधक

2. व्याधिकरण समुच्चयबोधक

समानाधिकरण समुच्चयबोधक

जो समुच्चयबोधक समान स्थिति वाले शब्दों ,वाक्यांशों और वाक्यो को जोड़ने का काम करते हैं उन्हें समानाधिकरण समुच्चयबोधक कहते हैं।
समुच्चयबोधक शब्द हैं - किंतु, परंतु, अन्यथा, या, और, तथा, इसलिए आदि।

जैसे - रोहन चुस्त भी है और मेहनती भी।

मन लगाकर पढ़ो ताकि प्रथम आओ।

व्याधिकरण समुच्चयबोधक

2. व्याधिकरण समुच्चयबोधक - ये ऐसे अव्यय शब्द हैं जो एक या अधिक आश्रित वाक्यों ,उपवाक्यों को प्रधान अर्थात् मुख्य वाक्य से जोड़ते हैं। इनका प्रयोग मिश्र वाक्यों में होता है।

जैसे - यदि बारिश नहीं आई तो सूखा पड़ सकता है।

वह जल्दी चला गया ताकि ब़स पकड़ सके।

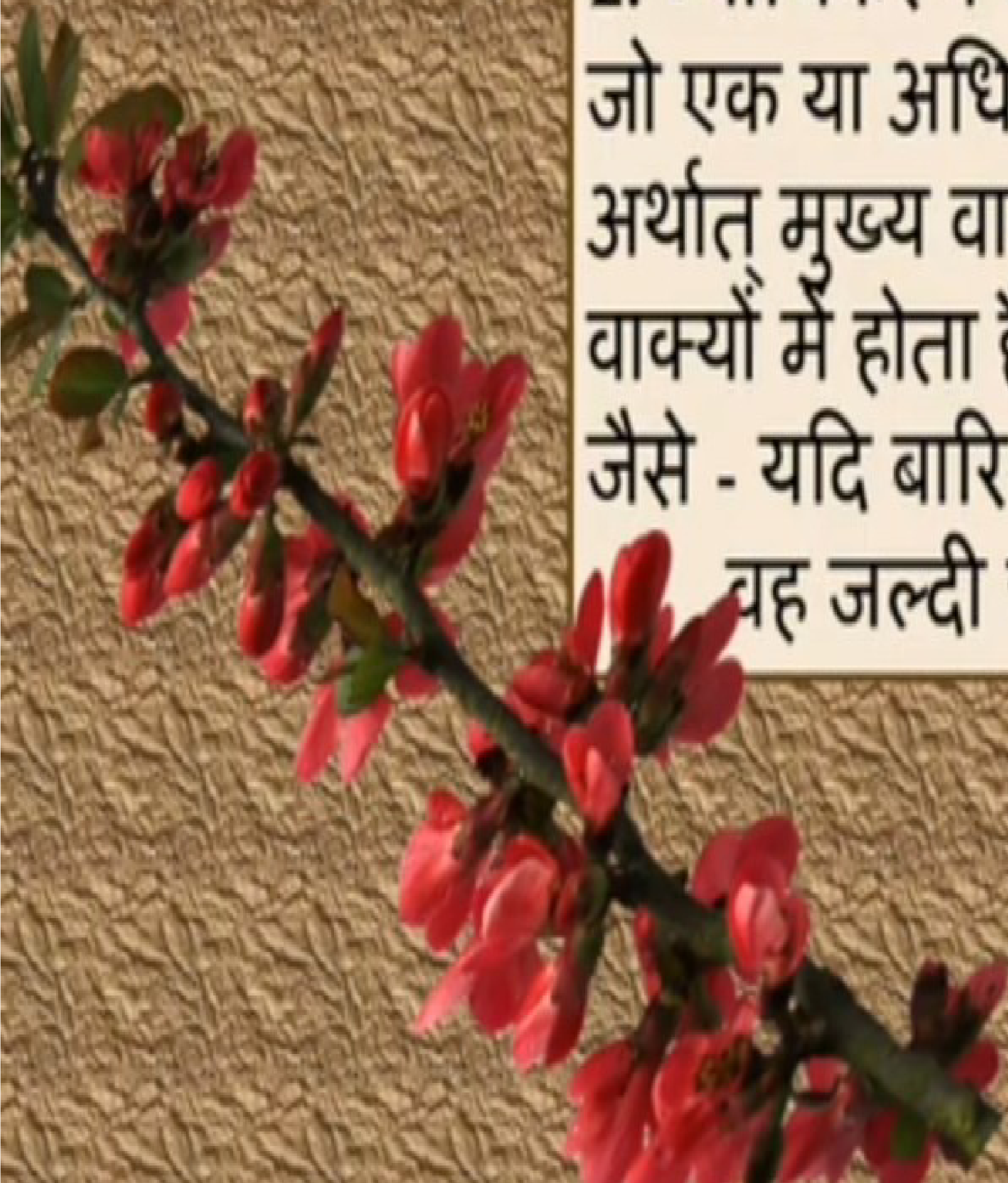

संयुक्त वाक्य

1. संयुक्त वाक्य में दो या दो से अधिक सरल वाक्य किसी समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय अर्थात योजक से जुड़े होते हैं।

2. दोनों ही सरल वाक्य एक दूसरे के पूरक होते हुए भी एक दूसरे पर आश्रित नहीं होते।

3. दोनों वाक्य एक ,दूसरे के सहयोगी वाक्य होते हैं।

4. दोनों वाक्य ही प्रधान होते हैं।

5.अगर दोनों वाक्यों के बीच में से योजक शब्द हटा दें तो इनका अपना पूरा अर्थ होता है।

जैसे - वर्षा हो रही है और मोर नाच रहा है।
वह स्कूल आई किंतु उसने पढ़ाई नहीं की।
रजत बीमार था इसलिए वह स्कूल नहीं गया।

6. संयुक्त वाक्यों में कभी-कभी योजक शब्दों का लोप होता है।

उदाहरण - थका हुआ हूँ, आराम कर लूँ।
जाने वाले चले जाते हैं , कोई काम नहीं रूकता।

उदाहरण -

1.सुरेश आ गया, अतः सब प्रसन्न हैं।

2.गार्ड ने हरी झंडी दिखाई और रेलगाड़ी चल पड़ी।

3.मैं आपके साथ अवश्य चलता लेकिन मैं व्यस्त हूँ।

4. उसने बहुत मेहनत की थी इसलिए वह प्रथम आया

5.आप पहले आराम करेंगे या आपके लिए चाय ले आऊँ

3.मिश्र वाक्य

मुख्य उद्देश्य और मुख्य क्रिया युक्त वाक्य को प्रधान उपवाक्य कहते हैं और शेष उपवाक्य उस पर आश्रित उपवाक्य होते हैं।

आश्रित उपवाक्यों का आरंभ प्राय यदि, जो,कि, क्योंकि , जिसे, जो आदि से होता है।

मुख्य उपवाक्य और आश्रित उपवाक्यों को व्याधिकरण समुच्चयबोधक योजक शब्दों द्वारा जोड़ा जाता है।

व्याधिकरण समुच्चयबोधक योजक शब्दों के उदाहरण हैं - जब-तब, ऐसे-वैसे, यहाँ-वहाँ, जिसने-उसने, ज्यों-त्यों, यद्यपि- तथापि आदि

उदाहरण -

1.यदि वर्षा होती तो हरियाली हो जाती।

2.मैं जानती हूँ कि मुझे मेहनत करनी चाहिए।

3.मैं नहीं जानता कि उसका जन्म कहाँ हुआ था ?

4. संकट आ जाए, तो घबराना उचित नहीं है ।

5.यद्यपि वह संकटों से घिरा था तथापि निराश नहीं हुआ।

प्रश्न1 - रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए .

1) अनुभव साइकिल से टकराकर गिर गया।

2) कपिल दूध पीकर खेलने चला गया।

3.जैसे ही परीक्षा समाप्त हुईं, सजल दिल्ली चला गया।

4.जहाँ पहले जंगल था, वहाँ अब घनी बस्ती है।

5. सूरज छिपा और अंधेरा छा गया।

प्रश्न 2- दिए गए वाक्य को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए -

1) प्रकृति का अभिनय देखकर सब प्रसन्न हो गए। - मिश्र वाक्य

2) रमन कमरे में बैठकर पढ़ रहा है। - संयुक्त वाक्य

3) राधा थोड़ा रुककर तेज़ी से बाहर चली गई। - संयुक्त वाक्य

4) अमूल्या परिश्रमी है इसीलिए उसके अंक अच्छे आते हैं। - सरल वाक्य

5. वैभवी आई और रीना ने शोर मचाना शुरू कर दिया। । - सरल वाक्य

धन्यवाद